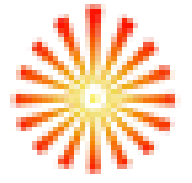


# आओ चलें सम्पूर्णता की ओर



○ 18 / 11 / 14 की मुरली से चार्ट ○

⇒ TOTAL MARKS:- 100 ⇐

-----

✽ शिवभगवानुवाच :-

➤ \_ ➤ रोज रात को सोने से पहले बापदादा को पोतामेल सच्ची दिल का दे दिया तो धरमराजपुरी में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी ।

॥1॥स्वमान का अभ्यास (Marks-10)

➤➤ मैं आत्मा डबल लाइट हूँ ।

॥2॥गुण / धारणा पर अटेंशन (Marks-10)

➤➤ सब कुछ तेरा तेरा कर मेरे पन के अंश मात्र को भी समाप्त करना

॥3॥बाबा से संबंध का अनुभव(Marks-10)

➤➤ बच्चा

॥4॥ होमवर्क (Marks :-  $7 \times 5 = 35$ )

【✓】 °अविनाशी ज्ञान रत्नों° से बुधी रुपी झोली भर मालामाल बने ?

【✓】 °बापदादा को अपने नयनों° में समाये रखा ?

【✓】 °तेरा-तेरा° कह स्वच्छ बने ?

【x】 "°मेरा स्वभाव, मेरा संस्कार, मेरी नेचर°" - ऐसे संकल्प तो नहीं किये ?

【x】 किसी भी प्रकार का °अहंकार° तो नहीं दिखाया ?

【x】 °ट्रेटर° बन डिस-सर्विस तो नहीं की ?

【x】 दान दी हुई चीज़ को °वापिस लेने का संकल्प° तो नहीं आया ?

✽ अव्यक्त बापदादा (05/11/2014) :-

» \_ » अपना ही यादगार देख रहे हो और चैतन्य रूप में आप दीपराज से मिलन मना रहे हो । एक-एक दीपक की अपनी-अपनी रोशनी कितनी प्यारी लगती है ।

॥5॥ विशेष अभ्यास (Marks:-15)

» » "मैं चैतन्य दीपक हूँ" - आज पूरा दिन यह स्मृति बनी रही ?

॥6॥ ज्ञान मंथन (वरदान) (Marks:-10)

»» मेरेपन के अंश मात्र को भी समाप्त करने के लिए हमें किस पुरुषार्थ पर अटेंशन देना चाहिए ?

\* "मेरा तो एक शिव बाबा.. दूसरा ना कोई" - यह स्मृति बनाए रखें ।

\* स्वयं को इस धरा पर मेहमान समझें ।

\* अपना सब कुछ बाबा को समर्पित कर दें ।

\* हमें कम्पलीट बेगर बनना है, जितना यहाँ बेगर बनेंगे उतना वहा प्रिंस बनेंगे।

\* यह जो कुछ मिला है, सबकुछ प्रभु प्रसाद समझो।

\* आत्म अभिमानी बने, जब यह देह ही मेरा नहीं, तो संसार का कुछ भी मेरा नहीं।

\* स्वयं को ट्रस्टी समझ कर चले।

\* मेरे को तेरे में परिवर्तन कर दे।

॥7॥ ज्ञान मंथन (स्लोगन) (Marks:-10)

➤➤ बाप दादा को अपने नयनों में समाये रखने वाले ही जहान के नूर बनते हैं। क्यों???

\* बापदादा भी उन बच्चों को अपने नयनों के नूर बना लेते हैं।

\* बापदादा उन बच्चों द्वारा प्रत्यक्ष होकर अपना कार्य करते हैं।

\* बापदादा हर कदम पर उन बच्चों का साथ देंगे जिससे उनके कर्म में दिव्यता आ जाती है

\* बापदादा जैसे दातापन के संस्कारों से वह बच्चे सर्विस करते हैं।

\* मायाजीत बन जगतजीत बन जाते हैं।

⊙\_⊙ आप सभी बाबा के प्यारे प्यारे बच्चों से अनुरोध है की रात्रि में सोने से पहले बाबा को आज की मुरली से मिले होमवर्क के हर पॉइंट के मार्क्स जरूर दें ।

ॐ शांति ॐ